12 बजे दोपहर इ0डी0टी0 (वाशिंगटन, डी0सी0 समय) 28 सितम्बर, 2004 तक समाचार प्रसारण, वैबसाइट पर पोस्टिंग, अथवा किसी अन्य मीडिया प्रयोग के लिए नहीं।

विश्व बैंक

समाचार प्रकाशन 2004/89/ए0एस0

सम्पर्क:

क्रिस्टोफर नील

(202)473–7229

Cneall @worldbank.org

सिन्थीय केस (टी0वी/रेडियो)

(202)473–2243

Ccase@worldbank.org

एरिक नोरा

(202)458 4735

enora@worldbank.org

स्पर्द्धा के लिए नीति जोखिम, लागत तथा प्रतिबंधों को सुगम बनाना
तीव्र विकास, निर्धनता कम करने की कुंजी
विश्व विकास रिपोर्ट 2005

वाशिंगटन, 28 सितम्बर, 2004 – आज यहाँ प्रस्तुत की गई विश्व बैंक की 2005 के लिए वार्षिक विश्व विकास रिपोर्ट का निष्कर्ष था कि विकास बढ़ोत्तरी और निर्धनता कम करने के लिए सरकारों को सभी प्रकार की स्थापनाओं – किसानों तथा माइक्रो – व्यवसायियों से लेकर स्थानीय निर्माण एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा झेली जा रही स्पर्द्धा में नीति जोखिम, लागत तथा प्रतिबंधों को कम करने की आवश्यकता है।

'अच्छा निवेश वातावरण विकास और निर्धनता कम करने का केन्द्र है' विश्व बैंक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा मुख्यअर्थशास्त्री फ्रैंन्कोइस बारगिनान ने रिपोर्ट पेश करते समय कहा 'स्पंदनशील निजी क्षेत्र रोजगार उत्पन्न करता है, जीवनस्तर सुधारने के लिए आवश्यक वस्तुएं तथा सेवा प्रदान करता है तथा स्वास्थ, शिक्षा एवं अन्य सेवाओं में जन–निवेश के लिए अनिवार्य करों का योगदान करता है। परन्तु कभी–कभी सरकारों द्वारा स्पर्द्धा में अनुचित जोखिम, लागत तथा प्रतिबंध उत्पन्न करने से उन योगदानों के आकार में कमी भी आ जाती है।'

रिपोर्ट प्रत्येक के लिए बेहतर निवेश वातावरण में 53 विकासशील देशों में 30 हजार से अधिक फर्मों के सर्वेक्षण, बैंक के व्यापार डॉटाबेस, कन्ट्रीकेस स्टडी तथा नए अनुसंधान हैं। यह सरकारों को सभी प्रकार की फमों को उत्पादनीय निवेश, रोजगार उत्पन्न करने तथा विस्तार के लिए अवसर तथा प्रोत्साहन बढ़ाकर निवेश वातावरण को सुधार करने के अवसरों पर प्रकाश डालती है।

विकासशील देशों में नीति संबंधी जोखिम फर्मों की संबद्धता पर हावी होते हैं। मैक्रो इकनोमिक अस्थिरता, मनमाने विनियम तथा सम्पति अधिकारों की कमजोर सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण जोखिमों के साथ सरकारी नीतियों के विषय तथा कार्यान्वयन के संबंध में अनिश्चितता परम अग्रता का प्रश्न है। यह जोख्मि अवसरों पर छा जाते हैं और उत्पादनीय निवेश एवं रोजगार उत्पत्त के प्रोत्साहनों को रोकते हैं। गटमाला में फर्मों का लगभग 90 प्रतिशत तथा बिलारस व जाम्बिया में फर्मों के 70 प्रतिशत से अधिक, विनियमों की व्याख्या को अन्ननुमेंय पाते हैं।

बांग्ला देश में 80 प्रतिशत से अधिक फर्में तथा एक्वाडोर व मोलडोबा में फर्मों के 70 प्रतिशत से अधिक में न्यायालयों में अपने सम्पत्ति अधिकारों को बनाए रखने में विश्वास की कमी है। रिपोर्ट में पाया गया कि नीति में सुधार का केवल अनुमान ही 30 प्रतिशत से अधिक नए निवेश की सम्भावना बढ़ा सकता है।

फर्मों के सहारे से नीति संबंधी लागते सम्पन्न भी हो सकती है पर कई सशक्त निवेश अवसरों को लाभरहित करते हैं। इस माह में पहले प्रकाशित हुई बैंक की डुइंग बिजनेस इन 2005 रिपोर्ट में पुराने अथवा ठीक से लागू न किए गए विनियमों द्वारा लादे गए भारी बोझ को उजागर किया गया है। विश्व विकास रिपोर्ट 2005 दर्शाती है कि विनियम बड़ी समस्या का एक भाग है।

अविश्वसनीय बिजली पूर्ति तथा अन्य ढ़ांचा, अपराध व भ्रष्टाचार – ऐसी लागते लगा सकते हैं जो विनियमों से दोगुना से अधिक हैं। कमजोर अनुबंध लागू करना तथा दूसरे विनियम के साथ, यह लागतें बिक्री के 25 प्रतिशत से अथवा उससे तीन गुना से अधिक हो सकती हैं। जिसका फर्में करों में भुगतान करती हैं। अविश्वसनीय बिजली पूर्ति के साथ संबंद्ध लागते हीं केवल एरिटरा, भारत तथा कीन्या में बिक्री के 10 प्रतिशत से अधिक हैं। जबकि अपराध की लागतें अरमीनया, अजरबैजन व पेरू में बिक्री के 10 प्रतिशत से अधिक है। रिश्वत की औसत अल्जीरिया, कम्बोडिया तथा निकारगुआ में बिक्री के 6 प्रतिशत से अधिक है।

स्पर्द्धा में प्रतिबंध भी फर्मों के लिए कुछ नया करने व उत्पादन बढ़ाने में वास्तविक विकास की कुंजी हैं– में व्यापक तथा निरस प्रेरणा हैं। उच्च खतरे व लागते स्पर्द्धा को सीमित करती हैं परन्तु सरकारें भी बाजार में प्रवेश तथा निकास में नीति प्रतिबंध के माध्यम से तथा फर्मों द्वारा अप्रतिस्पर्द्धात्मक व्यवहार पर नियन्त्रण के लिए अप्रर्याप्त प्रयासों के माध्यम से स्पर्द्धा को सीमित करती है। पोलेंड में फर्मों का लगभग 90 प्रतिशत दृढ़ स्पर्द्धात्मक दबाव दर्शाता है और जारजिया में फर्मों के दो गुना भाग से अधिक। रिपोर्ट दर्शाती है कि अत्याधिक स्पर्द्धा दबाव नवीनीकरण की सम्भावना को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा सकता है।

स्पर्द्धा में जोखिम लागतें और प्रतिबंध का स्तर व ढ़ांचा न केवल देशों में ही व्यापक रूप से भिन्न है व बल्कि देशों के भीतर भी भिन्न–भिन्न है। यह ब्रेजिल, चीन वे भारत के राज्यों और प्रान्तों में सत्य है बल्कि छोटे देशों की स्थानों में भी सत्य है। निवेश वातावरण सुधारने में राष्ट्रीय व उपराष्ट्रीय सरकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

अशक्त निवेश वातावरण छोटी स्थापनााओं को भी प्रभावित करता है और जो अनौपचारिक ईकानमी में हैं, उन्हें कठोर रूप से प्रभावित करता है। रिपोर्ट दर्शाती है कि इन स्थापनाओं को वित्त तथा सार्वजानिक सेवाओं में पहुँच प्राप्त करने के लिए अधिक कठिनाईयाँ होती हैं, न्यायालयों में कम विश्वास होता है तथा यह विनियम की व्याख्या को कम अनुमानित पाती हैं। व्यवधान जिनमें नियत लागत है– जैसे बिजली की स्वयं उत्पादकता की आवश्यकता है– भी छोटी स्थापनाओं पर अनअनुपातिक बोझ डालतीह है।

प्रगति में औपचारिक नीतियों में परिवर्तनों से अधिक की आवश्यकता है!

रिपोर्ट के मुख्य लेखक वारिक स्मिथ ने कहा, कि 'स्थापनाओं का 90 प्रतिशत से अधिक नीति तथा व्यवहार के बीच अन्तर दर्शाते हैं तथा कई विकासशील देशों में अनौपचारिक ईकानमी उत्पादन से आधे से अधिक के लिए उत्तरदायी हैं। सरकारों को इन अन्तरों को समाप्त करने तथा नीति की असफलता के लिए सघन स्त्रों जो निवेश वातावरण निर्मित कर सकते हैं का मुकाबला करने की आवश्यकता है' ।

यद्यपि कई निवेश वातावरण के सुधारों में कानून तथा नीतियों के परिवर्तन की आवश्यकता है, रिपोर्ट चार गहन चुनौतियों पर प्रकाश डालती है। निवेश वातावरण में सुधार के लिए जिनसे सरकार को निपटने की आवश्यकता है:–

- भ्रष्टाचार तथा जमाबंदी के अन्य प्रकारों को प्रतिबंधित करना । विकासशील देशों में कर्मचारियों से निपटने में अधिकांश स्थापनाएं रिश्वत देती हैं तथा कई भ्रष्टाचार को सबसे अधिक दबावपूर्ण रूकावट मानती हैं। नीतियां तथा उनका कार्यान्वयन भी राजनीतिक – संबंधी स्थापनाओं द्वारा प्रयुक्त किए गए अन्न अनुपातिक प्रभाव से विकृत होते हैं।
- सरकारी नीतियों का विश्वसनीयता निर्माण। नए कानून पारित करने का अल्प प्रभाव होता है, यदि स्थापनाए विश्वास न करें कि वे लागू अथवा सतत् होंगे।
- नीति सुधारों के लिए जनसमर्थन प्रोत्साहित करना – अधिक उत्पादक सोसाईटी के सर्जन के लिए जन–समर्थन निर्मित करने में असफलता सुधारों की गति को धीमी करती है तथा उनकी सततता को खतरे में डालती है।
- नीति प्रत्युत्तर सुनिश्चितता स्थानीय स्थितियों के अनुकूल हो। जो एप्रोच अबाध्य रूप से अन्य देशों से ली गई हों अधिकतर निकृष्ठ अथवा व्यापक परिणाम देती है।

मौलिक प्रेषण पर केन्द्रित होना

सभी स्थापनाओं के लाभ तथा अर्थव्यवस्था में कार्यों के लिए सरकारों को अच्छे निवेश वातावरण की आधारिक नींव में सुधार पर केन्द्रित करना चाहिए। रिपोर्ट में चार मुख्य क्षेत्रों में अनुभव से शिक्षा का पुनःरीक्षण किया गया है।

- स्थिरता तथा सुरक्षा । सुरक्षित सम्पत्ति अधिकार अच्छे निवेश वातावरण का केन्द्र है। पौलेण्ड, रोमानीया, रूस, स्लोवाकिया तथा उकरेन में जो स्थापनाएं विश्वस्त थीं कि उनके अधिकार सुरक्षित हैं, उन्होंने उन स्थापनाओं से जो विश्वस्त नहीं थी, से अपने लाभ के 14 और 40 प्रतिशत के बीच अधिक पुनःनिवेश किया । भूमि तथा अन्य सम्पति के अधिकारों के सत्यापन, अनुबंध लागू करने में सुधार, अपराध कम करने तथा सरकार द्वारा सम्पत्तिहरण प्रतिबंधित कर के, अधिकारों को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है।
- विनियम तथा कर नीति। विनियम तथा कर नीति अच्छे निवेश वातावरण और अन्य सामाजिक लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं परन्तु अधिकांशः एप्रोच अनावश्यक जोख्मि लागतें व स्पर्द्धा में प्रतिबंध उत्पन्न करती हैं तथा अनौपचारिक ऍकानामी को उभारती है। सफल सुधारों में वे सुधार शामिल है जो नियामक प्रक्रिया को सम करते हैं। जैसा कि युगाण्डा और वियतनाम में है, जैसा कि कीन्यिा व पैरू में है, कर प्रशासन सुधारते हैं तथा सीमा शुल्क प्रशासन को आधुनिक बनाते हैं। जैसा कि मौरोको व घानामें ।
- वित्त व संरचना। वित्त व संररचना का अधिकांश निवेश क्रियाओं में समीक्षात्मक योग है। सरकारों को सेवा प्रेषण में स्वयं अधिक सीधे जुड़े होने के स्थान पर इन सेवाओं के प्रदानकर्ताओं के लिए निवेश वातावरण में सुधार से बेहत्तर परिणाम प्राप्त हो रहे हैं।
- कामगार व श्रम बाजार । अच्छा निवेश वातावरण लोगों को प्रतिष्ठित रोजगारों से जोड़ने में सहाकय होता है। सरकारों को कुशल कार्यशक्ति को बढ़ाने तथा यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि श्रम बाजार हस्तक्षेप सभी कामगारों को लाभ दें (वे भी शामिल हैं जो वर्तमान में अल्प–नियोजित हैं तथा अनौपचारिक ईकानमी में हैं) उन्हें अधिक गतिशील अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के साथ समायोजित होने में कामगारों को सहायता देने की आवश्यकता है। रिपोर्ट सचेत करती है कि विशेष स्थापनाओं को अथवा विशेष नीति सुविधाओं के लिए क्रियाओं को लक्ष्य करके मूल आधारों से आगे जाना, जोख्मि वाली नीति है।

माइकल कलीन, निजी क्षेत्र के विकास के लिए विश्व बैंक/अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम के उपाध्यक्ष व आइ0एफ0सी0 के मुख्य अर्थशास्त्री कहते हैं कि ' सरकारें सदियों से विशिष्ट हस्तक्षेपों के साथ परीक्षण कर रही हैं। परन्तु अन्तरराष्ट्रीय अनुभव कोई निश्चित नीति परिणाम नहीं दर्शाता– तथा कई मामले है जहां ऐसे हस्तक्षेप सैद्धान्तिक रूप से गलत हुए हैं'। रिपोर्ट एप्रोचों की सीमा में अनुभव का पुनरीक्षण करती है तथा ऐसी नीतियों से जोखिम कम करने के लिए साधनों पर मार्गदर्शन प्रस्तुत करती है।

दृढ़ता न कि संपूर्णता मुख्य है चीन, भारत, युगाण्डा जैसे देशों की सफलता को देखते हुए रिपोर्ट इस बात पर बल देती है कि हर चीन

एकदम से करने की नहीं होती। बल्कि, स्थापनाओं द्वारा सामना की जा रही महत्वपूर्ण कठिनाईयों से निपटकर तथा वर्तमान सुधारों की प्रक्रिया को स्थिर कर विशेष प्रगति की जा सकती है। चीन में सम्पत्ति अधिकारों में सुधार द्वारा एक प्रक्रिया प्रारम्भ की गई जिसने 400 मिलियन लोगों को निर्धनता से निकाला जिसमें प्रारम्भिक सुधारों के अनुसरण में अनुक्रमी वर्तमान सुधारों द्वारा निवेश वातावरण के अधिकांश पक्ष समेकित किए गए।

क्योंकि स्थापनाएं जिन मुख्य व्यवधानों का सामना करती है, देशों व्यापाक रूप से भिन्न हो सकते हैं, यहां तक कि एक क्षेत्र में ही, प्रत्येक मामलें की अग्रताओं का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। सुधार का संवेग बनाए रखने के लिए, सेनेगल, टर्की और वियतनाम जैसे विभिन्न देशों में दावेदारों के आकर्षण और व्यवधानों के पुनःरीक्षण हेतु समर्पित संस्थान स्थापित किए हैं। रिपोर्ट बताती है कि प्रभावपूर्ण जन सम्प्रेषण भी प्रगति की वृद्धि में मुख्य भूमिका निभाता है।

अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय को सहायता के लिए अधिक करना चाहिए।

किसी देश में निवेश वातावरण के सुधारों द्वारा छूट गई विकास व निर्धनता कमी अन्तर्राष्ट्रीय सहायकता प्रवाहों के प्रभाव को सरलता से बाधित कर सकती है। रिपोर्ट विकासशील देशों में निवेश वातावरण सुधार में सहायता के लिए प्रयास दृढ़ करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय का आह्वान करती है:-

- विकसित देशों में व्यापार प्रतिबंध, अनुदान तथा अन्य बाजार विकृतियां जो विकासशील देशों के निवेश वतावरण को हानि पहुंचाए, उन्हें हटा दिया जाए। इससे विकासशील देशों को अपने निवेश वातावरण सुधार के लिए प्राप्त होने वाली सहायता के मूल्य से चार गुना अधिक लाभ होगा।
- सरकारों को अपना निवेश वातावरण सुधारने में सहायता हेतु और अधिक प्रभावपूर्ण सहायता प्रदान करना। डिजाईन पर तकनीकी सहायता तथा नीति सुधारों का कार्यान्यवयन विशेष रूप से प्रभावशाली हो सकता है परन्तु व्यक्तिगत स्थापनाओं तथा लेन-देन निदेशित सहायता के स्थान पर वर्तमान में कुछ एक संसाधन प्राप्त कर रहें हैं।
- नीति सुधारों की रूपरेखा तथा कार्यान्वयन पर नीति निर्माताओं को अधिक मार्गदर्शन देने हेतु निवेश वातावरण मुद्दों पर वृहद् जानकारी की कार्य सूची से निपटने में सहायता करना।

पत्रकार व्यापार प्रतिषेद्व की समाप्ति से पूर्व सामग्री विश्व बैंक के ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग सैन्टर http://media.worldbank.org/secure/ के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

प्राधिकृत पत्रकार जिनका पहले से पासवर्ड नहीं है वे उसके लिए http://media.worldbank.org पर पंजीकरण फार्म भरकर अनुरोध कर सकते हैं।